M - 2020

Printed Pages 4

2022-II

2022-II

B.A.(Part-II) Examination, 2020

(Three-Year Scheme)

(10+2+3)

(Faculty of Arts)

हिन्दी साहित्य

Paper-II

(नाटक एवं एकांकी)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

Minimum pass Marks :36

https://www.pdusuonline.com

नोट: (i) सभी (लघूत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर पुस्तिका में ही लिखें। लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही दीजिये। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाए एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें।

(ii) किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर लिखें।

https://www.pdusuonline.com

निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 9x4=36

(अ) जगत में जो कुछ स्थावर और जंगम है, वह सब ईश्वर के द्वारा आच्छादित है। अर्थात संसार के क्रोड़ में भगवान की सत्ता ही है। तू नाम-रूपात्मक बाहरी विकारों के परित्याग से वास्तविक सत्ता, जो ईश्वर की है, उसका स्वाद-तेन व्यक्तेन भुंजीथा........ तुम ध्यान से नहीं सुन रही हो।

अथवा

मैं एक छोटी सी सच्चाई तुझे बतला रही हूँ। लोग कहते हैं कि गोतम बुद्ध ने बोध प्राप्त किया है, कामनाओं को जीता है। पर मैं कहती हूँ कि कामनाओं को जीता जाए, यह भी क्या मन की एक कामना नहीं है? और ऐसी कामना किसी के मन में क्यों जागती है?

अथवा

(ब) उन्हीं का नहीं, आज सब जवान आदमियों का यह हाल है। ये किताबों के अथकचरें असर से बगावत तो करना चाहते हैं, पर नहीं कर सकते, और मैं आपसे पूछता हूँ वह बगावत किसके खिलाफ है। आप नेचर से वैर कर सकते हैं? नहीं कर सकते। आप छत से गिरेंगे तो दुनिया की कोई ताकत आपका सर फटने से नहीं रोक सकती....।

अथवा

कामोत्सव कामना का उत्सव है, आर्य मैत्रेय! मैं अपनी आज की कामना कल के लिए टाल रखूँ.....क्यों ? मेरी कामना मेरे अंतर की है। मेरे अंतर में ही उसकी पूर्ति भी हो सकती है। बाहर का आयोजन उसके लिए उतना महत्त्व नहीं रखता जितना कुछ लोग समझ रहे हैं।

(स) आदमी की बुनियादी प्रवृत्तियों पर नित्य नये दिन चढ़ते चले जाने वाले पर्दों का नाम ही तो संस्कृति है। सोसाइटी के एक वर्ग के लिए दूसरा वर्ग सदैव असभ्य और गंवार रहेगा। फिर कहाँ तक आदमी सभ्यता और संस्कृति के पीछे भागे। और रही सुरुचि, तो यह भी अभिजात वर्ग की "स्नॉब्री" का दूसरा नाम है।

अथवा

कौन कह सकता है कि भ्रान्ति वस्तुतः किसे है? उन्हें यह मुझे? उन्होंने कहा, मैं, मैं नहीं हूँ, वह, वह नहीं है..... सब किसी उंगली से आकाश में बनाए गए चित्र हैं जो बनते-बनते साथ ही मिटते जाते हैं, जिनका होना न होने से भिन्न नहीं है। पर मैं पूछता हूँ कि जब होने न होने में कोई अन्तर नहीं है तो मेरे केश क्यों कटवा दिए?

(द) किसी के लिए भी तो नहीं सोच पाती..... परन्तु फिर भी यह विचार आता है कि राजहंस आहत थे.... कम से कम एक उनमें अवश्य आहत था। कल उसका कैसा क्रन्दन सुना था? क्या उनके पंखों में इतनी शक्ति रही होगी कि अपनी इच्छा से उड़कर कहीं चले जाते? और जिस ताल में इतने दिनों से थे, उसका अभ्यास, उसका आकर्षण ..... क्या इतनी आसानी से छूट सकता था? https://www.pdusuonline.com

अथवा

असल था, सत्य था, केवल वह जो दोनों बाँहें फैलाये अपनी आत्मा ढूँढ़ रहा है। वह हमारे और तुम्हारे मध्य से आयेगा। भविष्य की दुनिया उसकी होगी। तब न मैं रहूँगा, न मेरा इन्द्रजाल। न तुम, न तुम्हारी कला। रहेगी सिर्फ वह जो आज अपनी नई आत्मा ढूँढ़ रहा हूँ..... वह तुम्हारे व्यक्तित्व को छुएगा, तुम्हारी आत्मा में उतरेगा। क्योंकि तुम्हारे व्यक्तित्व और तुम्हारी आत्मा में आत्महीन को नई आत्मा मिलेगी और वही सत्य होगी।

https://www.pdusuonline.com

https://www.pdusuonline.com

2. "प्रतिशोध" एकांकी के आधार पर संस्कृत महाकवि भारवि का चरित्र-चित्रण कीजिए। 14

अथवा

"लहरों के राजहंस" मोहन राकेश के नाटक की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए।

3. विष्णु प्रभाकर की 'सड़क' एकांकी के आधार पर एकांकी कला की विशेषताएं बताइए। 14

अथवा

'लहरों के राजहंस' नाटक की प्रमुख नारी पात्र (नायिका) सुन्दरी का चरित्र चित्रण कीजिए।

4. 'मकड़ी' का जाला' शीर्षक एकांकी के आधार पर एकांकी तत्वों की समीक्षा कीजिए। 14

अथवा

सुरेन्द्र वर्मा की एकांकी "हरी घास पर घण्टे भर" का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

5. मोहन राकेश के नाटक 'लहरों के राजहंस' की प्रतीकात्मकता पर विचार व्यक्त कीजिए। 14

अथवा

'लहरों के राजहंस' नाटक का प्रतिपाद्य सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए : 8

मोहन राकेश के नाटकों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

एकांकी के तत्वों की विवेचना कीजिए।

—x—

https://www.pdusuonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.pdusuonline.com
https://www.pdusuonline.com